

विवरणी

अभिलेख उपस्थापित। अवैध/संदिग्ध जमाबन्दीदार

खाड़िया पिता - जयमल सिंह बन्धु खाड़िया मुखर  
 गया था जो अभिलेख में संलग्न है। अवैध/संदिग्ध जमाबन्दीदार के

12/9/2020

द्वारा सुनवाई के दौरान विषयगत भूमि ग्राम पुत्र भानू  
 251 खसरा सं. रकबा 1090 रु वर्ष 2015-16 का लगान रसीद  
 प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान

भानू कल्लु ने अपना अनिर्वाहित

लिखित बयान दिया कि उनके पास लगान रसीद के अतिरिक्त  
 सादा हुकुमनामा जमा किया है। राजस्व  
 उप निरीक्षक/अंचल निरीक्षक से चेक लिस्ट में जांच प्रतिवेदन प्राप्त है। जो अभिलेख  
 में संलग्न है, अवलोकन किया गया।

राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक ने प्रतिवेदित किया है कि  
 पंजी II में संदिग्ध/अवैध जमाबन्दीदार के नाम से जमाबन्दी कायम होने का आधार

एवं खसरा संख्या दर्ज नहीं है। रा0उ0नि0 एवं अं0नि0 ने  
 जमाबन्दी रद्द करने हेतु अनुशंसा किया है। उक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि

खाड़िया पिता - जयमल सिंह बन्धु खाड़िया मुखर  
 समसरा के नाम से चल रही निम्नांकित जमाबन्दी  
 संदिग्ध/अवैध जान पड़ता है :-

मौजा	थाना संख्या	खाता संख्या	खसरा संख्या	रकबा
1	2	3	4	5
समसरा	67	251	—	1090 रु

अतः मुख्य सचिव, झारखण्ड राँची का पत्रांक 2074/रा0, दिनांक  
 13.05.2016 एवं राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक  
 1704/रा0 दिनांक 15.07.2020 के आलोक में विहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम  
 1950 की धारा 4(h) के तहत उपरोक्त जमाबन्दी को निरस्त किया जाता है।

लेखापित

12/09/2020

अंचल अधिकारी,  
 बोलवा।

12/09/2020

अंचल अधिकारी,  
 बोलवा।